मुफ़्त IELTS किताबें

Why Band 7.0 Is Called the Golden Score

इस संख्या के पीछे वीज़ा, पेशेवर रजिस्ट्रेशन और यूनिवर्सिटी दाख़िले के असली कट-ऑफ़ — और जब आप जान लें कि आपका कौन-सा है, तो वहाँ तक का सबसे तेज़ ईमानदार रास्ता।

freeieltsbooks.net
Free to download, free to pass on · अक्टूबर 2026

यहाँ क्लिक करें https://freeieltsbooks.net/hi/about/

विषय-सूची

Why Band 7.0 Is Called the Golden Score

Part 1 — 7.0 की संख्या असल में कहाँ से आती है

1.1 ऑस्ट्रेलिया: पॉइंट्स टेस्ट की पक्की लाइन

1.2 यूके में नर्सिंग और मिडवाइफ़री: एक असली पेशेवर 7.0

1.3 भ्रम: यूके के वर्क वीज़ा को ख़ुद 7.0 की ज़रूरत नहीं

1.4 यूनिवर्सिटी: कोई एक संख्या नहीं, असली वाली जाँचिए

1.5 कनाडा: CLB 7 का मतलब IELTS Band 7 नहीं

1.6 2026 में क्या बदल रहा है

Part 2 — पूरी संख्या ही क्यों, और 7.5 क्यों नहीं

2.1 कट-ऑफ़ को फ़र्क़ नहीं पड़ता कि आप कितने क़रीब हैं

2.2 ओवरऑल बैंड चार स्कोर को पार करने वाली एक लाइन में कैसे बदलता है

2.3 7.0 के कट-ऑफ़ के लिए 7.5 या 8.0 के पीछे भागना आम तौर पर ग़लत क़दम क्यों है

Part 3 — सबसे तेज़ यथार्थवादी रास्ता, जब आप वजह जान चुके हों

3.1 पता कीजिए कि असल में आपका कट-ऑफ़ कौन-सा है

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

3.2 अपना असली शुरुआती स्तर पहचानिए

3.3 6.0 से 7.0 तक का यथार्थवादी ढाँचा

3.4 6.5 से 7.0 तक का यथार्थवादी ढाँचा

Part 4 — उम्मीदवार वह समय कहाँ बर्बाद करते हैं जो उनके पास है ही नहीं

4.1 ऐसी स्किल पर ज़रूरत से ज़्यादा तैयारी जो पहले से लाइन पार करती है

4.2 तैयार होने से पहले टेस्ट देना और एक मौक़ा गँवाना

4.3 यह ग़लत समझना कि आप पर कौन-सा कट-ऑफ़ लागू होता है

Part 5 — अपना यथार्थवादी प्लान बनाना

5.1 कौन-सा कट-ऑफ़, आपके अपने शब्दों में

5.2 आपका ढाँचा, Part 3 से

5.3 एक पन्ने का प्लान

आख़िर में

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

Why Band 7.0 Is Called the Golden Score

Free IELTS Books — freeieltsbooks.net अद्यतन अक्टूबर 2026

यह किताब क्या है

“band 7 ही गोल्डन स्कोर है।” आपने इस बात का कोई न कोई रूप शायद सुना होगा, और यह ग़लत भी नहीं है, पूरी तरह — बस यह एक तथ्य नहीं है। यह पाँच अलग-अलग तथ्य हैं, पाँच अलग-अलग व्यवस्थाओं से, जो संयोग से लगभग एक ही संख्या के पास आ टिकते हैं। यह किताब हर एक का ईमानदारी से नाम लेती है: उसे कौन-सी संस्था तय करती है, वह असल में क्या माँगता है, और कहाँ 7.0 वह संख्या है ही नहीं।

यह कोई ट्रेनिंग कोर्स नहीं है। यह आपको Listening या Writing नहीं सिखाती। यह उस सवाल का जवाब देती है जो आम तौर पर छूट जाता है: आख़िर 7.0 का लक्ष्य रखें ही क्यों, और क्या 7.0 सच में वह संख्या है जिसका लक्ष्य आपको रखना चाहिए?

यह किसके लिए है

हर उस व्यक्ति के लिए जो वीज़ा, किसी पेशेवर रजिस्ट्रेशन या यूनिवर्सिटी में जगह के लिए Band 7 के पीछे है, और जिसने असली नियम कभी लिखा हुआ नहीं देखा — बस किसी और से सुना है कि “7 चाहिए”। अगर आप अपनी लक्ष्य-संख्या और उसका स्रोत पहले से जानते हैं, तो पढ़ाई का ढाँचा देखने के लिए सीधे Part 3 पर जाइए। अगर आपको पक्का नहीं पता कि असल में आपकी संख्या कौन-सी है, तो Part 1 से शुरू कीजिए।

इसे इस्तेमाल कैसे करें

Part 1 पाँच असली व्यवस्थाएँ सामने रखता है जो 7.0 या उसके क़रीब की कोई संख्या इस्तेमाल करती हैं — हर सेक्शन में एक, हर एक नाम और स्रोत के साथ। Part 2 बताता

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

है कि कट-ऑफ़ (threshold) औसत से अलग बर्ताव क्यों करता है — 6.9 “लगभग 7” क्यों नहीं है। Part 3 “मुझे पता है क्यों” को आपके शुरुआती स्तर के हिसाब से पढ़ाई के एक यथार्थवादी ढाँचे में बदलता है। Part 4 जान-बूझकर छोटा है: तीन तरीक़े जिनसे उम्मीदवार किसी कट-ऑफ़ के पीछे भागते हुए समय बर्बाद करते हैं। Part 5 एक पन्ने की वर्कशीट है — वही पन्ना जो आप असल में अपने पास रखेंगे।

एक ईमानदार बात

इस किताब में कुछ भी किसी स्कोर, वीज़ा, नौकरी या यूनिवर्सिटी में जगह का वादा नहीं है। यह इस बात का नक़्शा है कि कौन-सी संख्या कौन तय करता है और क्यों — पढ़ाई, आवेदन और फ़ैसला अब भी आपके हाथ में हैं।

इस किताब में वीज़ा, पेशेवर रजिस्ट्रेशन और यूनिवर्सिटी से जुड़ा हर आँकड़ा छपने से कुछ ही पहले उसे जारी करने वाली संस्था के अपने पेज से मिलाया गया था। ठीक इसी तरह की संख्याएँ बिना ज़्यादा सूचना के बदल जाती हैं। इनमें से किसी पर भरोसा करने से पहले मौजूदा शर्तें संबंधित सरकारी विभाग, पेशेवर संस्था या संस्थान से पक्की कर लीजिए।

© 2026 OurSharedCode — freeieltsbooks.net। यह किताब एक स्वतंत्र प्रकाशन है, जो शैक्षिक उद्देश्य से निःशुल्क वितरित की जाती है।

IELTS®, British Council, IELTS Australia Pty Ltd (IDP Education के स्वामित्व में) और Cambridge English (Cambridge University Press & Assessment का हिस्सा) का पंजीकृत ट्रेडमार्क है — इन्हें मिलाकर 'IELTS Partners' कहा जाता है। यह प्रकाशन और इसके लेखक IELTS Partners से संबद्ध, प्रायोजित, अनुमोदित या स्वीकृत नहीं हैं; 'IELTS' शब्द शीर्षक और पाठ में केवल इस किताब का विषय बताने के लिए है।

सभी प्रश्न, मॉडल उत्तर और व्याख्याएँ लेखक की मौलिक रचनाएँ हैं; कोई आधिकारिक IELTS सामग्री यहाँ पुनःप्रकाशित नहीं की गई है। परीक्षा की ताज़ा आधिकारिक जानकारी के लिए ielts.org देखें।

आप यह किताब उसके पूर्ण, बिना बदले रूप में मुफ़्त साझा कर सकते हैं। इसे बेचा नहीं जा सकता। स्वैच्छिक दान केवल होस्टिंग, डोमेन और अनुवाद की लागत में सहायता करते हैं; कोई सामग्री बेची नही जाती, और दान का IELTS Partners से कोई संबंध नहीं है।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

Part 1 — 7.0 की संख्या असल में कहाँ से आती है

“गोल्डन स्कोर” का कोई एक नियम नहीं है। आगे पाँच असली, अलग-अलग, नाम वाली व्यवस्थाएँ हैं, और हर एक अपनी वजह से 7.0 या उसके क़रीब की कोई संख्या इस्तेमाल करती है। इन्हें पाँच अलग तथ्य मानिए, एक ही तथ्य के पाँच रूप नहीं — इन्हें आपस में मिला देना वह सबसे आम ग़लती है जो उम्मीदवार अपना लक्ष्य तय करते समय करते हैं।

1.1 ऑस्ट्रेलिया: पॉइंट्स टेस्ट की पक्की लाइन

ऑस्ट्रेलिया का General Skilled Migration पॉइंट्स टेस्ट अंग्रेज़ी की क़ाबिलियत को तीन स्तरों में अंक देता है। ये स्तर अलग-अलग सीढ़ियाँ हैं, खिसकने वाला पैमाना नहीं। Competent English — चारों स्किल में से हर एक में 6.0 — पर शून्य अंक मिलते हैं। इससे पात्रता की शर्त पूरी हो जाती है, बस इतना। Proficient English — चारों स्किल में से हर एक में 7.0 — पर 10 अंक मिलते हैं। Superior English — हर एक में 8.0 — पर 20 अंक मिलते हैं।

शब्दों को ध्यान से देखिए: *चारों स्किल में से हर एक में,* ओवरऑल औसत नहीं। यह IELTS नतीजों को आम तौर पर पढ़ने के तरीक़े से अलग है। एक उम्मीदवार की कल्पना कीजिए: Listening 8.0, Reading 8.0, Writing 6.5, Speaking 8.0। उसका ओवरऑल बैंड बहुत अच्छा है। पर इस पॉइंट्स टेस्ट में उसकी गिनती Competent में होती है, Proficient में नहीं — 7.0 से नीचे की एक स्किल चारों का स्तर तय कर देती है। यहाँ कमज़ोर स्किल को तीन मज़बूत स्किल के साथ औसत निकालकर ऊपर खींचने का कोई रास्ता नहीं है।

इस पूरी किताब में “7.0 एक पक्की लाइन है, जिसके उस पार ठोस इनाम है” का यह सबसे साफ़ रूप है। सिर्फ़ अंग्रेज़ी से दस अंक, ऐसे टेस्ट में जहाँ बुलाए गए ज़्यादातर आवेदकों के कुल अंक साठ और सत्तर के बीच कहीं होते हैं, कोई छोटा फ़र्क़ नहीं है।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

1.2 यूके में नर्सिंग और मिडवाइफ़री: एक असली पेशेवर 7.0

Nursing and Midwifery Council (NMC, यूके की नर्सिंग और मिडवाइफ़री परिषद) यूके में नर्स या मिडवाइफ़ के तौर पर काम करने के लिए रजिस्ट्रेशन कराने वाले हर व्यक्ति के लिए अंग्रेज़ी भाषा की अपनी शर्त तय करती है। यह एक सच्चा 7.0 कट-ऑफ़ है: IELTS Academic में ओवरऑल 7.0, और Listening, Reading और Speaking में अलग-अलग 7.0। Writing में लंबे समय से एक छूट चली आ रही है। वहाँ 6.5 मान लिया जाता है, बशर्ते चारों स्किल के ज़रूरी स्कोर 12 महीने के भीतर दो बार के टेस्ट में पूरे हो जाएँ। इससे उम्मीदवार दो कोशिशों के अपने सबसे अच्छे नतीजे जोड़ सकता है, उसे एक ही बार में बिल्कुल सही टेस्ट की ज़रूरत नहीं पड़ती।

यह एक पेशे का नियम है, एक नियामक संस्था का तय किया हुआ, कोई आम “यूके की शर्त” नहीं। यह यहाँ इसलिए है क्योंकि यह एक असली, ऊँचे दाँव वाला मामला है जहाँ 7.0 सच में वही संख्या है। इसका साफ़ नाम लेना ठीक है, और इसके हिसाब से योजना बनाने से पहले इसे सीधे NMC से दोबारा जाँच लेना भी — पेशेवर संस्थाओं की शर्तें ठीक उसी तरह का ब्योरा हैं जो चुपचाप बदल दिया जाता है।

1.3 भ्रम: यूके के वर्क वीज़ा को ख़ुद 7.0 की ज़रूरत नहीं

यह वह सुधार है जो यह किताब सबसे ज़्यादा करना चाहती है। यूके का Skilled Worker वीज़ा — वह रास्ता जिसकी बात ज़्यादातर उम्मीदवार “यूके वीज़ा” कहते समय करते हैं — Band 7 बिल्कुल नहीं माँगता। इसकी अंग्रेज़ी की शर्त CEFR B2 पर तय है, जो हर स्किल में लगभग IELTS 5.5 के बराबर है: 7.0 से काफ़ी नीचे, और ऊपर बताए ऑस्ट्रेलिया के पॉइंट्स टेस्ट के Competent स्तर से भी नीचे।

जो उम्मीदवार मानते हैं कि यूके के वर्क वीज़ा के लिए 7 चाहिए, वे लगभग हमेशा उसे इस सूची की किसी और चीज़ से मिला रहे होते हैं — 1.2 वाला NMC का पेशेवर रजिस्ट्रेशन, या 1.4 वाली किसी यूनिवर्सिटी की दाख़िले की शर्त। वे सच में 7.0 और उससे ऊपर के कट-ऑफ़ हैं। वीज़ा ख़ुद नहीं। यह फ़र्क़ ठीक से समझ लेने से उस संख्या के लिए महीनों की बेवजह तैयारी बच सकती है जो वीज़ा ने कभी माँगी ही नहीं।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

1.4 यूनिवर्सिटी: कोई एक संख्या नहीं, असली वाली जाँचिए

यूनिवर्सिटी दाख़िलों में पॉइंट्स टेस्ट या NMC की तरह एक आँकड़ा नहीं होता। शर्तें संस्थान और कोर्स के स्तर के हिसाब से बदलती हैं। प्रतिस्पर्धी अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट प्रोग्रामों के लिए ईमानदार दायरा मोटे तौर पर 6.5 से 7.5 तक है। सबसे चुनिंदा छोर पर — ऑक्सफ़र्ड और कैम्ब्रिज, और दूसरी जगहों पर उसी स्तर के संस्थान — आम आँकड़ा ओवरऑल 7.5 है, और हर हिस्से में 7.0 ज़रूरी। कुछ कोर्स, जैसे क़ानून और मेडिसिन, इससे भी ज़्यादा माँगते हैं।

यहाँ ईमानदार जवाब यह है: किसी आम नियम के बजाय उसी संस्थान के उसी कोर्स का पेज जाँचिए। यह सेक्शन जान-बूझकर Part 1 का सबसे धुँधला सेक्शन है, क्योंकि यह दिखावा करना कि यूनिवर्सिटी की कोई एक संख्या है, ठीक उसी तरह का भ्रम गढ़ना होगा जिसे सुधारने के लिए यह किताब बनी है।

1.5 कनाडा: CLB 7 का मतलब IELTS Band 7 नहीं

कनाडा का Express Entry सिस्टम अंग्रेज़ी को सीधे IELTS बैंड के पैमाने पर अंक नहीं देता। वह आपके नतीजे को अपने पैमाने, Canadian Language Benchmark (CLB), पर बदलता है। दोनों पैमाने उस तरह मेल नहीं खाते जैसा उनकी संख्याओं से लग सकता है।

ज़्यादातर Express Entry उम्मीदवारों को कम से कम CLB 7 चाहिए। CLB 7 चारों स्किल में से हर एक में IELTS 6.0 के बराबर है — हर स्किल अलग से आँकी जाती है, औसत नहीं निकलता। जो उम्मीदवार “CLB 7” पढ़कर मान ले कि इसका मतलब “IELTS Band 7” है, वह पूरे एक बैंड ज़्यादा तैयारी कर बैठेगा, ऐसी संख्या के पीछे जो किसी ने माँगी ही नहीं।

असली मज़बूत लक्ष्य CLB 9 है, जिसके पीछे जाना इसलिए फ़ायदेमंद है कि यह न्यूनतम से ऊपर सच में अतिरिक्त अंक दिलाता है। CLB 9 बराबर है IELTS Listening 8.0, Reading 7.0, Writing 7.0, Speaking 7.0 के। यह असमान बँटवारा — Listening

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

में बाक़ी तीन से ऊँचा — अपने आप में ध्यान देने लायक़ है। यह बस “हर जगह 7 ले आओ” नहीं है।

यह शायद इस किताब का सबसे काम का सुधार है। यह मानने कि आपको “Band 7” चाहिए, और असल में CLB 7 (IELTS 6.0) चाहिए होने के बीच का फ़र्क़, ग़लत फ़िनिश लाइन के इर्द-गिर्द बने स्टडी प्लान और असली फ़िनिश लाइन के इर्द-गिर्द बने प्लान का फ़र्क़ है।

1.6 2026 में क्या बदल रहा है

ऊपर की व्यवस्थाओं में अभी दो बदलाव चल रहे हैं, और उनका काल बहुत अलग है — कौन-सा क्या है, इस बारे में सटीक रहना ज़रूरी है।

पहले से लागू। यूके के Skilled Worker वीज़ा की अंग्रेज़ी की न्यूनतम शर्त 8 जनवरी 2026 को CEFR B1 से बढ़कर B2 हो गई। एक संक्रमण-कालीन नियम मौजूदा वीज़ा-धारकों को बचाता है: जिसके पास उस तारीख़ से पहले यह वीज़ा था और जो उसे बढ़वा रहा है, उसे अब भी सिर्फ़ B1 चाहिए। इससे 1.3 की बात नहीं बदलती — B2 अब भी लगभग IELTS 5.5 है, 7.0 के आसपास भी नहीं — पर सटीक नियम अभी-अभी खिसका है, और जो किताब सटीकता पर ज़ोर देती है, उसे पहले और बाद की स्थिति सही बतानी चाहिए।

पक्का, पर अभी लागू नहीं। ऑस्ट्रेलिया के संघीय बजट ने पक्का किया है कि 1.1 वाला पॉइंट्स टेस्ट जड़ से दोबारा लिखा जा रहा है, जिसमें अंग्रेज़ी की क़ाबिलियत को आज से ज़्यादा वज़न मिलेगा। इस किताब के लिखे जाते समय यह प्रक्रिया अभी परामर्श के चरण में है। एक परामर्श-पत्र 2026 के बीच के लिए बताया गया था, और साल के आख़िर तक क़ानून का मसौदा आने की उम्मीद है। नए टेस्ट को 1 जुलाई 2027 से पहले शुरू करने का प्रस्ताव नहीं है। **1.1 वाला 0/10/20 अंकों का Competent/Proficient/Superior ढाँचा आज का असली नियम है, इस किताब के लिखे जाते समय का — कोई स्थायी चीज़ नहीं।** इस पर भरोसा करने से

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

पहले सीधे immi.homeaffairs.gov.au देखिए, ख़ासकर अगर आप यह किताब इसके छपने के कुछ समय बाद पढ़ रहे हैं।

पूरे Part 1 के लिए हिदायत वही है जो यह किताब बार-बार दोहराती है: ऊपर के किसी भी आँकड़े को मौजूदा मानने से पहले असली स्रोत जाँचिए।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

Part 2 — पूरी संख्या ही क्यों, और 7.5 क्यों नहीं



2.1 कट-ऑफ़ को फ़र्क़ नहीं पड़ता कि आप कितने क़रीब हैं

Part 1 की हर व्यवस्था अपनी संख्या पर आकर एक ही तरह काम करती है। या तो आप उस पर या उससे ऊपर हैं, या नहीं हैं। 6.9 वाला उम्मीदवार और 6.0 वाला उम्मीदवार, दोनों 7.0 की लाइन पर ठीक एक ही तरह नाकाम होते हैं। दोनों में से कोई उसे पार नहीं करता, और कट-ऑफ़ को इससे फ़र्क़ नहीं पड़ता कि उनमें से एक क़रीब था।

यह एक स्वाभाविक सोच के उलट है। 6.5 “लगभग 7” लगता है — आधा बैंड दूर, ऐसे पैमाने पर जहाँ आधा बैंड ही सबसे छोटी इकाई है जो नतीजे के पन्ने पर दिखती है। पर वीज़ा, रजिस्ट्रेशन और पॉइंट्स टेस्ट नज़दीकी के अंक नहीं देते। वे एक ही सवाल पूछते हैं: आपने लाइन पार की, हाँ या नहीं। क़रीब होना उस सवाल का कोई अलग जवाब नहीं है।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

2.2 ओवरऑल बैंड चार स्कोर को पार करने वाली एक लाइन में कैसे बदलता है

जहाँ कोई कट-ऑफ़ *ओवरऑल* बैंड माँगता है — जैसे ज़्यादातर यूनिवर्सिटी की शर्तें माँगती हैं — वहाँ वह ओवरऑल आँकड़ा आपकी चारों स्किल के अलग-अलग स्कोर का औसत होता है, जिसे एक तय नियम से राउंड किया जाता है। .25 पर ख़त्म होने वाला औसत ऊपर अगले आधे बैंड तक राउंड होता है। .75 पर ख़त्म होने वाला औसत ऊपर अगले पूरे बैंड तक राउंड होता है। इस साइट पर मौजूद *The Band 7.0 Blueprint* राउंडिंग के इस नियम और उसकी तालिका को विस्तार से समझाती है — वही तथ्य यहाँ भी लागू होता है, और इस किताब में उसे दोबारा नहीं निकाला गया।

इस किताब के लिए जो बात मायने रखती है, वह यह है कि राउंडिंग का यह नियम किसी कट-ऑफ़ पर क्या असर डालता है। जो लाइन आपको असल में पार करनी है, वह किसी ढीले मतलब में "7.0 का औसत" नहीं है। वह गणित का एक ख़ास लक्ष्य है, जिस तक आपके चारों स्कोर मिलकर या तो पहुँचते हैं या नहीं।

2.3 7.0 के कट-ऑफ़ के लिए 7.5 या 8.0 के पीछे भागना आम तौर पर ग़लत क़दम क्यों है

जब कट-ऑफ़ एक तय लाइन हो, तो उससे और आगे जाने का फ़ायदा वैसा नहीं मिलता जैसा लगता है कि मिलना चाहिए। जिस उम्मीदवार को यूनिवर्सिटी में जगह के लिए 7.0 चाहिए और वह 7.5 ले आता है, उसने उस यूनिवर्सिटी की दाख़िला-व्यवस्था से कुछ अतिरिक्त नहीं ख़रीदा — शर्त 7.0 थी, और 7.0 पार हो गया।

यह उन लोगों के लिए सच में उलटी लगने वाली बात है जो इस आम सोच के आदी हैं कि ऊँचा स्कोर हमेशा बेहतर होता है। तय कट-ऑफ़ के सामने ऐसा नहीं है। एक अपवाद है। 1.1 वाले ऑस्ट्रेलिया के पॉइंट्स टेस्ट जैसी व्यवस्था में *ऊँचा* कट-ऑफ़ पार करने पर — Superior English, हर स्किल में 8.0 — निचला कट-ऑफ़ पार करने से ज़्यादा अंक मिलते हैं। वहाँ और आगे जाना एक सोचा-समझा दूसरा लक्ष्य है, निशाने से आगे निकल जाना नहीं। आप किस तरह की व्यवस्था से निपट रहे हैं — एक सपाट दरवाज़ा, या ऐसी सीढ़ी जिसका दूसरा डंडा भी पहुँचने लायक़ है — इसी से तय होता है कि 7.0 के बाद की

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

अतिरिक्त तैयारी समय का अच्छा इस्तेमाल है या बर्बादी। 7.0 वाले दरवाज़े तक सबसे तेज़ रास्ता 7.0 पर रुक जाना है, उसके पार जाना नहीं। Part 3 पढ़ाई का ढाँचा इसी विचार के इर्द-गिर्द बनाता है।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

Part 3 — सबसे तेज़ यथार्थवादी रास्ता, जब आप वजह जान चुके हों



3.1 पता कीजिए कि असल में आपका कट-ऑफ़ कौन-सा है

कोई भी स्टडी प्लान बनाने से पहले तीन सवालों का ईमानदारी से जवाब दीजिए: यह स्कोर असल में किस लिए है — वीज़ा, पेशेवर रजिस्ट्रेशन, या यूनिवर्सिटी में जगह? शर्त कौन-सा देश या कौन-सी संस्था तय करती है? और वह ख़ास संस्था असल में कौन-सी संख्या लिखती है — वह नहीं जो आपने किसी और से सुनी है?

Part 1 ने दिखाया कि ये एक-दूसरे की जगह नहीं ले सकते — CLB 7, यूके वीज़ा, NMC, और किसी यूनिवर्सिटी का अपना आँकड़ा, चार अलग संस्थाओं के चार अलग नियम हैं। पहले इन तीन सवालों के जवाब देने का मतलब है कि इस किताब का बाक़ी हिस्सा, और उसके बाद आप जो भी पढ़ाई करें, उस संख्या पर निशाना साधे जो असल में आपकी है।

3.2 अपना असली शुरुआती स्तर पहचानिए

इस साइट पर मौजूद *The Band 7.0 Blueprint* हर स्किल में अपना मौजूदा स्तर पता करने के लिए एक सेल्फ़-असेसमेंट करवाती है — वह प्रक्रिया यहाँ नहीं दोहराई गई। यहाँ

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

एक बात जोड़ने लायक़ है, जो आम सुधार के बजाय कट-ऑफ़ के पीछे भागने से जुड़ी है: अपनी सबसे कमज़ोर *अलग* स्किल जानिए, सिर्फ़ ओवरऑल औसत नहीं।

Part 1 की कई व्यवस्थाएँ — ऑस्ट्रेलिया का पॉइंट्स टेस्ट, NMC — माँगती हैं कि हर स्किल अलग से लाइन पार करे, मज़बूत और कमज़ोर स्किल का औसत निकाले बिना। इन व्यवस्थाओं में आपका ओवरऑल औसत आराम से 7.0 से ऊपर हो सकता है और फिर भी आप शर्त पूरी करने में नाकाम हो सकते हैं, क्योंकि एक स्किल उससे नीचे है। अगर आपका लक्ष्य इनमें से कोई "चारों स्किल" वाली व्यवस्था है, तो पहले अपनी सबसे कमज़ोर स्किल जाँचिए और उसी को वह संख्या मानिए जो असल में तय करती है कि आप पास होंगे या नहीं।

3.3 6.0 से 7.0 तक का यथार्थवादी ढाँचा

पूरा एक बैंड असली दूरी है। लगातार, केंद्रित तैयारी के साथ इसे पाटने के लिए उम्मीदवार आम तौर पर जो ईमानदार दायरा बताते हैं, वह दो-एक महीने से लेकर लगभग छह महीने तक है। यह इस पर निर्भर करता है कि व्यवहार में आपका 6.0 पहले से 7.0 के कितना क़रीब है, और हर हफ़्ते पढ़ाई के लिए असल में कितना समय मिल पाता है। हफ़्तों की कोई तय संख्या नहीं है जो सब पर लागू हो, और जो किताब आपको ऐसी संख्या दे, वह आपकी ओर से अंदाज़ा लगा रही होगी।

हफ़्तों की तय संख्या के बजाय, जो ढाँचा काम करता है, वह यह है: अपनी सबसे कमज़ोर स्किल से शुरू कीजिए। इसका गणित वाला कारण *The Band 7.0 Blueprint* के Part 1.3 में है — कम स्कोर को ऊपर ले जाना आपके औसत को बदलने, या किसी अलग-स्किल वाले कट-ऑफ़ को पार करने का, उस स्किल को चमकाने से ज़्यादा कारगर तरीक़ा है जो पहले से क़रीब है। पढ़ाई की ऐसी लय बनाइए जिसे आप पहले दो हफ़्तों के बाद भी सच में निभा सकें। पूरे बैंड का फ़ासला किसी एक तकनीक से ज़्यादा निरंतरता से पटता है। सिर्फ़ आख़िर में नहीं, बीच-बीच में असली समय-सीमा वाले हालात में ख़ुद को टेस्ट कीजिए, ताकि आपको पता रहे कि आप असल में कहाँ खड़े हैं, जब तक बदलाव करने का समय बचा है।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

3.4 6.5 से 7.0 तक का यथार्थवादी ढाँचा

आधे बैंड का फ़ासला पूरे बैंड के फ़ासले से सिर्फ़ छोटा नहीं, अलग तरह का होता है। 6.0 पर स्किल को हर तरफ़ से बढ़ाना आम तौर पर सुई हिला देता है — आप लगभग जो भी अभ्यास करें, मदद करता है। 6.5 पर फ़ासला आम तौर पर कुछ ख़ास, पहचानी जा सकने वाली आदतों से बना होता है। व्याकरण का कोई ख़ास पैटर्न जो बार-बार अंक कटवाता है। Reading का कोई प्रश्न-प्रकार जो लगातार ग़लत होता है। Speaking के जवाब का कोई ढाँचा जो आधे रास्ते में ही आगे बढ़ना बंद कर देता है। इस मोड़ पर चौतरफ़ा अभ्यास अक्सर एक जगह अटक जाता है। बचा हुआ आधा बैंड आम तौर पर "वही सब, और ज़्यादा" नहीं होता — वह कुछ गिने-चुने, ख़ास सुधार होता है।

यहाँ का ढाँचा उन्हीं ख़ास आदतों को ढूँढने से शुरू होता है — पूरे प्रैक्टिस टेस्ट पर मिली विस्तार वाली प्रतिक्रिया के ज़रिए, सिर्फ़ स्कोर से नहीं — बजाय यह मानने के कि और ज़्यादा आम अभ्यास किसी दिन अपने आप फ़ासला पाट देगा। यही इलाक़ा, ठीक इसी आधे बैंड की दीवार को तोड़ना, इस साइट पर अपनी एक पूरी किताब में समझाया गया है: *Stuck at 6.5? The Half-Band Wall and How to Break It*। यह सेक्शन बस उस ज़मीन की तैयारी करता है, उस विषय को यहाँ अपना बताए बिना।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

Part 4 — उम्मीदवार वह समय कहाँ बर्बाद करते हैं जो उनके पास है ही नहीं



यह Part जान-बूझकर छोटा है। यह समय बचाने पर पूरी चर्चा नहीं है — वह इस साइट पर एक अलग किताब है, *The Minimum-Effort Path to 7.0*, जो नीचे के तीनों में से हर एक को लेकर उसके लिए ऐसा सेल्फ़-टेस्ट देती है जिसे आप सच में कर सकें। ये तीनों आम सुधार के बजाय किसी *कट-ऑफ़* के पीछे भागने से जुड़े हैं, और इतनी बार दिखते हैं कि इनका साफ़ नाम लेना ठीक है।

4.1 ऐसी स्किल पर ज़रूरत से ज़्यादा तैयारी जो पहले से लाइन पार करती है

अगर आपका लक्ष्य Part 1 की “चारों स्किल” वाली कोई व्यवस्था है — ऑस्ट्रेलिया का पॉइंट्स टेस्ट, NMC — तो जो स्किल पहले से आपकी ज़रूरी संख्या पर या उससे ऊपर है, वह आपका और कुछ नहीं बिगाड़ रही। जब 6.0 वाली स्किल उस लाइन से नीचे पड़ी है जो आपको असल में चाहिए, तब 8.0 वाली स्किल को चमकाते रहना समय वहाँ लगाना है जहाँ वह नतीजे की मदद नहीं कर सकता। ज़्यादा अभ्यास असल में कहाँ जाए, यह तय करने से पहले अपनी सबसे कमज़ोर अलग स्किल जाँचिए — 3.2 वाली वही जाँच।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

4.2 तैयार होने से पहले टेस्ट देना और एक मौक़ा गँवाना

अभ्यास के स्कोर भरोसे से लक्ष्य तक पहुँचने से पहले टेस्ट देना कोई बेअसर ट्रायल नहीं है — इसमें टेस्ट की फ़ीस लगती है, और अक्सर टेस्ट से ज़्यादा समय भी: किसी टेस्ट सेंटर पर अगली उपलब्ध तारीख़ हफ़्तों दूर हो सकती है, और कुछ रास्ते (डेडलाइन वाला वीज़ा आवेदन, किसी कोर्स में दाख़िले की तारीख़) दूसरी कोशिश का इंतज़ार नहीं करते। टेस्ट बुक करने का संकेत कोई एक अच्छा नतीजा नहीं, बल्कि ऐसा अभ्यास-स्कोर है जो असली समय-सीमा वाले हालात में लगातार आपके लक्ष्य तक पहुँचता हो।

4.3 यह ग़लत समझना कि आप पर कौन-सा कट-ऑफ़ लागू होता है

इस सूची में समय की सबसे महँगी बर्बादी, और सीधे Part 1 की ओर वापसी: पूरी तरह ग़लत संख्या के लिए तैयारी करना। जो उम्मीदवार मान लेता है कि यूके के वर्क वीज़ा के लिए Band 7 चाहिए (1.3), वह ऐसे स्तर तक पहुँचने में महीनों लगा सकता है जो वीज़ा ने कभी माँगा ही नहीं। जो उम्मीदवार “CLB 7” को “IELTS Band 7” पढ़ लेता है (1.5), वह Express Entry के लिए पूरे एक बैंड ज़्यादा तैयारी में वही महीने लगा सकता है। इस किताब की बाक़ी किसी भी सलाह को मानने से पहले असली संस्था से असली संख्या पक्की कीजिए।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

Part 5 — अपना यथार्थवादी प्लान बनाना

यह Part एक वर्कशीट है। अपने जवाब लिख लीजिए — काग़ज़ पर, नोट्स ऐप में, जहाँ भी आप उन्हें सच में दोबारा देखेंगे। प्लान का मतलब ही यह है कि वह उस पल के बाद भी बचा रहे जब आपने उसे पढ़ा।

5.1 कौन-सा कट-ऑफ़, आपके अपने शब्दों में

किसी भी और चीज़ से पहले, तीन बातें साफ़-साफ़ लिखिए:

- **यह स्कोर किस लिए है** — वीज़ा, पेशेवर रजिस्ट्रेशन, या यूनिवर्सिटी में जगह।
- **इसे कौन-सा देश या कौन-सी संस्था तय करती है** — ख़ास विभाग, नियामक संस्था या संस्थान, सिर्फ़ देश का आम नाम नहीं।
- **वह संस्था असल में कौन-सी संख्या लिखती है**, और वह आपके ओवरऑल बैंड पर लागू होती है, हर स्किल पर अलग से, या दोनों पर।

अगर तीसरे जवाब को लेकर आप पक्के नहीं हैं, तो यहीं रुकिए और आगे बढ़ने से पहले सीधे उस संस्था से पक्का कीजिए। इस वर्कशीट के बाद की हर बात यह मानकर चलती है कि आप असली संख्या पर निशाना साध रहे हैं, याद रह गई किसी संख्या पर नहीं।

5.2 आपका ढाँचा, Part 3 से

किसी हाल के, ईमानदारी से समय बाँधकर किए गए प्रैक्टिस टेस्ट से अपना मौजूदा अनुमानित बैंड लिखिए। अगर वह 6.0 पर या उसके आसपास है, तो आपका ढाँचा 3.3 है। अगर वह 6.5 पर या उसके आसपास है, तो आपका ढाँचा 3.4 है। ओवरऑल अनुमान के साथ अपनी सबसे कमज़ोर अलग स्किल भी लिखिए — “चारों स्किल” वाले कट-ऑफ़ के लिए वही सबसे कमज़ोर स्किल वह संख्या है जो असल में नतीजा तय करती है।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

5.3 एक पन्ने का प्लान

5.1 और 5.2 को एक पन्ने में जोड़िए और उसे ऐसी जगह रखिए जहाँ वह आपको फिर दिखे:

- **मेरा कट-ऑफ़:** _____ (संस्था, संख्या, ओवरऑल या हर स्किल में)
- **अभी मेरी सबसे कमज़ोर स्किल:** _____
- **मेरा शुरुआती ढाँचा:** 6.0→7.0 / 6.5→7.0 (एक पर गोला लगाइए)
- **मेरा यथार्थवादी समय-दायरा:** _____ (एक दायरा, अंदाज़े से चुनी कोई एक तारीख़ नहीं)
- **टेस्ट बुक करने से पहले मैं पक्का करूँगा/करूँगी:** मौजूदा शर्त, सीधे जारी करने वाली संस्था से, और यह कि मेरे अभ्यास-स्कोर असली समय-सीमा वाले हालात में भरोसे से मेरे लक्ष्य तक पहुँचते हैं।

यही वह पन्ना है। इससे पहले का सब कुछ तर्क था; यह वह है जिस पर आप असल में अमल करते हैं।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

आख़िर में

अब आप जानते हैं कि “गोल्डन स्कोर” कोई एक नियम नहीं है — यह पाँच अलग व्यवस्थाएँ हैं, हर एक की अपनी असली संख्या के साथ, और कम से कम एक ऐसी संख्या जिसे बहुत लोग सच मानते हैं पर जो असल में लागू ही नहीं होती। आप जानते हैं कि कट-ऑफ़ औसत से अलग बर्ताव क्यों करता है, और आपके पास आगे की पढ़ाई का एक ढाँचा है, इस हिसाब से कि आप कहाँ से शुरू कर रहे हैं।

इस किताब में वीज़ा, रजिस्ट्रेशन और दाख़िले से जुड़ा हर आँकड़ा लिखते समय सही था, और तब से बदल चुका हो सकता है। **इनमें से किसी पर भरोसा करने से पहले मौजूदा शर्तें सीधे संबंधित सरकारी विभाग, पेशेवर संस्था या संस्थान से पक्की कीजिए** — यह किताब शुरुआती नक़्शा है, आख़िरी शब्द नहीं।

टेस्ट के लिए शुभकामनाएँ, और उसके लिए भी जिसकी ओर यह एक सीढ़ी है।

इन किताबों के बारे में

यहाँ क्लिक करें https://freeieltsbooks.net/hi/about/

यह किताब मुफ़्त है। इसे बाँटने के लिए ही लिखा गया था, और आप इस फ़ाइल को टेस्ट की तैयारी कर रहे किसी को भी दे सकते हैं — किसी सहपाठी को, स्टडी ग्रुप को, किसी टीचर को। आपको इजाज़त की ज़रूरत नहीं, और कुछ चुकाना नहीं है।

और मुफ़्त किताबें **freeieltsbooks.net** पर हैं।

अगले हफ़्ते फिर आइए

पता अभी लिख लीजिए, जब यह आपके दिमाग़ में है: **freeieltsbooks.net**

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

इसे बुकमार्क में सेव कर लीजिए, या फ़ोन पर अगले हफ़्ते का रिमाइंडर लगा लीजिए — हम और किताबें जोड़ रहे हैं। साइट पर दिखता है कि उसे आख़िरी बार कब अपडेट किया गया, ताकि आप एक नज़र में देख सकें कि पिछली बार के बाद क्या बदला है।

न कुछ साइन अप करना है, न कोई ईमेल पता देना है। रिमाइंडर आपका है, आपके अपने फ़ोन पर — आप तक पहुँचने का हमारे पास यही एक रास्ता है, और हमें यही पसंद है।

यह संस्करण अक्टूबर 2026 में अपडेट किया गया।

यहाँ क्लिक करें https://freeieltsbooks.net/hi/about/

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

इस किताब का हर उदाहरण और हर हल की हुई तालिका इसी के लिए लिखी गई है। यहाँ कोई आधिकारिक परीक्षा सामग्री पुनःप्रस्तुत नहीं की गई है।